नमो ड्रोन दीदी

उन्नत कृषि प्रौद्योगिकी के साथ महिला स्वयं सहायता समूहों का सशक्तिकरण

नमो ड्रोन दीदी, एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसका मकसद **महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी)** को कृषि सेवाएं प्रदान करने के लिए ड्रोन तकनीक से लैस करते हुए सशक्त बनाना है। इस योजना का लक्ष्य कृषि उद्देश्यों (वर्तमान में तरल उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग) के लिए किसानों को किराये की सेवाएं प्रदान करने के लिए **2024-25 से 2025-2026** के दौरान **15000 चयनित महिला एसएचजी** को ड्रोन प्रदान करना है। इस पहल से प्रत्येक एसएचजी को प्रति वर्ष कम से कम 1 लाख रुपये की अतिरिक्त आय उत्पन्न होने की उम्मीद है, जो उनके आर्थिक सशक्तिकरण और स्थायी आजीविका सृजन में मददगार साबित होगी।

नमो ड्रोन दीदी योजना के प्रमुख बिंदु-

नमो ड्रोन दीदी योजना को महिला एसएचजी का समर्थन करने और उन्हें बढ़ने में मदद करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है। इस योजना के कुछ प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं:

योजना के प्रमुख बिंदु

1. वित्तीय सहायता और सुलभ पहुंच

- महिला एसएचजी को पर्याप्त वित्तीय सहायता प्राप्त होती है, जिसमें ड्रोन और उससे संबंधित लागत का 80% शामिल है, जो 8 लाख रुपये तक हो सकता है। यह मदद ड्रोन प्रौद्योगिकी से जुड़े बड़े खर्चों को कम करने में मदद करती है।
- शेष 20% लागत के लिए, एसएचजी राष्ट्रीय कृषि अवसंरचना वित्तपोषण सुविधा (एआईएफ) से 3% ब्याज सबवेंशन पर ऋण प्राप्त कर सकते हैं

2. सहयोगात्मक प्रयास

- यह योजना कृषि और किसान कल्याण विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और उर्वरक विभाग के साथ-साथ प्रमुख उर्वरक कंपनियों (एलएफसी) और अन्य सहायक संस्थाओं के बीच एक सहयोगी उद्यम है।

- इन विभागों से मिली संसाधनों की मदद से, प्रभावी संसाधन आवंटन, मांग-आधारित तैनाती और ग्रामीण क्षेत्रों में एसएचजी के लिए निरंतर समर्थन सुनिश्चित होता है।

3. क्लस्टर-आधारित कार्यान्वयन

- योजना का कार्यान्वयन डीएवाई – एनआरएलएम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में क्षेत्र/क्लस्टर और एसएचजी समूहों के सही चयन पर निर्भर करता है, जहां कृषि सेवाएं देने के लिए ड्रोन की मांग की जाती है। इस प्रकार, ड्रोन सेवाओं के लिए प्रतिबद्धता के आधार पर किसानों की मांग का मूल्यांकन क्षेत्र/क्लस्टर के चयन के लिए किया जाएगा, जो बाद में एसएचजी के चयन का आधार बन जाएगा।
- उपयुक्त क्लस्टर, जहां ड्रोन का उपयोग आर्थिक रूप से संभव है, उनकी पहचान की जाएगी।

4. महिला एसएचजी सदस्यों के लिए विशेष प्रशिक्षण

- महिला एसएचजी के सदस्यों में से एक योग्य सदस्य को 15-दिवसीय प्रशिक्षण के लिए चुना जाएगा, जिसमें 5-दिवसीय अनिवार्य ड्रोन पायलट प्रशिक्षण तथा पोषक तत्व और कीटनाशक के प्रयोग हेतु कृषि उद्देश्य के लिए अतिरिक्त 10 दिन का प्रशिक्षण शामिल है।
- डीएवाई – एनआरएलएम के तहत एसएचजी के अन्य सदस्य/परिवार के सदस्य को ड्रोन सहायक के रूप में बिजली के सामान, फिटिंग और मैकेनिकल कार्यों की मरम्मत के काम के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

5. एलएफसी से बुनियादी ढांचा और समर्थन

- एसएचजी और ड्रोन निर्माण कंपनियों के बीच की दूरी को कम करते हुए एलएफसी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे ड्रोन की खरीद, मरम्मत और रखरखाव को लेकर एसएचजी की मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, वे ड्रोन के साथ नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देते हैं, ताकि कृषि पद्धतियों में दक्षता बढ़ सके।

नमो ड्रोन दीदी योजना के लाभ

1. **महिलाओं का सशक्तिकरण**

- यह योजना ड्रोन प्रौद्योगिकी में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करती है, जो महिलाओं को उस उन्नत कौशल से लैस करती है, जो आधुनिक कृषि में बेहद मूल्यवान हैं। यह ज्ञान उन्हें फसल की निगरानी, मिट्टी विश्लेषण और सटीक खेती जैसे कार्यों को अधिक कुशलता से करने में सक्षम बनाता है।

2. **कृषि दक्षता में बढ़ोत्तरी**

ड्रोन तकनीक की मदद से कीटनाशकों और उर्वरकों के सटीक प्रयोग में बढ़ोत्तरी होती है, जिससे पारंपरिक कृषि प्रथाओं में बदलाव आता है। उन्नत जीपीएस और सेंसर तकनीक से लैस, ड्रोन को खेतों पर सटीक उड़ान पथ का पालन करने के लिए प्रोग्राम किया जा सकता है, यहां तक कि इसके ज़रिए सामग्री के लक्षित प्रयोग को भी सुनिश्चित किया जा सकता है। यह सटीकता रसायनों के अति प्रयोग को कम करती है, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करती है और किसानों के लिए लागत को भी कम करती है।

3. **कौशल विकास और ज्ञान का विस्तार**

- यह योजना ड्रोन प्रौद्योगिकी में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करती है, जिससे महिलाओं को आधुनिक कृषि पद्धतियों में उन्नत कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाया जाता है, जैसे कि उर्वरक, कीटनाशक और हर्बिसाइट्स को सही ढंग से डालना, समान वितरण और ज़रुरत के मुताबिक उपयोग सुनिश्चित करना। मिट्टी और खेत विश्लेषण को ड्रोन के साथ सुव्यवस्थित किया जाता है, जिससे विस्तृत सर्वेक्षण और ज़मीन की उर्वरता का आकलन मुमकिन हो पाता है। महिलाएं कम या ज्यादा पानी की ज़रुरत वाले क्षेत्रों की पहचान करके, लीक का पता लगाकर और जल संसाधनों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करके सिंचाई प्रबंधन को भी बढ़ा सकती हैं।

4. **समुदाय और नेटवर्किंग के अवसर**

- महिलाएं साथी प्रतिभागियों के सहायक नेटवर्क से जुड़ सकती हैं, जो समुदाय और सहयोग की भावना को बढ़ावा देता है। उन्हें विभिन्न मंचों और कार्यशालाओं में शामिल होने का मौका मिलता है, जहां वे अपने सामूहिक ज्ञान और कौशल को बढ़ाते हुए अनुभव, चुनौतियों और सर्वोत्तम पद्धतियों को साझा कर सकती हैं। यह योजना औद्योगिक विशेषज्ञों, सलाहकारों और कृषि पेशेवरों तक पहुंच भी प्रदान करती है, जिससे मेंटरशिप और पेशेवर विकास के अवसर पैदा होते हैं।

परिचालन दिशानिर्देश और निगरानी

इस योजना का परिचालन ढांचा, एक मजबूत शासन तंत्र द्वारा समर्थित है। इस योजना की देखरेख कृषि, ग्रामीण विकास, उर्वरक, नागरिक उड्डयन और महिला एवं बाल विकास जैसे प्रमुख विभागों के सचिवों की एक अधिकार प्राप्त समिति द्वारा की जाएगी, जो योजना का व्यापक परिचालन सुनिश्चित करेगी। ग्रामीण विकास विभाग के अतिरिक्त सचिव के नेतृत्व में एक कार्यान्वयन और निगरानी समिति, तकनीकी और परिचालन रोलआउट का मार्गदर्शन और उसका निगरानी करेगी। यह योजना एसएचजी को पूरी तरह से सुसज्जित एक ड्रोन पैकेज प्रदान करती है, जिसमें स्प्रे असेंबली, एक कैरी बॉक्स, बैटरी, एक फास्ट चार्जर और पीएच मीटर तथा एनीमोमीटर जैसे सहायक उपकरण शामिल हैं। ये सभी एक साल की वारंटी, दो साल के वार्षिक रखरखाव और व्यापक बीमा द्वारा कवर किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, एक 15-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दो एसएचजी सदस्यों को आवश्यक कौशल से लैस करेगा: एक ड्रोन पायलट प्रशिक्षण से गुजरेगा, जबकि दूसरा रखरखाव में प्रशिक्षण प्राप्त करेगा, ताकि उसमें स्थिरता सुनिश्चित हो सके। राज्य विभाग, रणनीतिक रूप से कृषि मांग के आधार पर एसएचजी का चयन करेंगे। प्रत्येक एसएचजी को सालाना करीब 2,000-2,500 एकड़ जमीन का प्रबंधन करना होगा, जिसका करीबी से निगरानी और मार्गदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा, ड्रोन पोर्टल, एक आईटी-आधारित एमआईएस, योजना के सुचारू निष्पादन और प्रभावशीलता को सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक समय की निगरानी, सेवाओं का प्रबंधन, धन वितरण और ड्रोन संचालन ट्रैकिंग प्रदान करेगा।

निष्कर्ष

नमो ड्रोन दीदी योजना के ज़रिए भारत सरकार, ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाते हुए कृषि पद्धतियों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। यह पहल महिलाओं के नेतृत्व में विकास को बढ़ावा देने और कृषि जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के सरकार के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप है। यह योजना कृषि प्रथाओं में क्रांति लाने, एसएचजी के लिए एक स्थायी आय स्रोत प्रदान करने और ग्रामीण भारत में महिला उद्यमियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने का आश्वासन देती है।

संदर्भ

https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2024/aug/doc2024821378701.pdf https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2070029

https://namodronedidi.php-staging.com/about-scheme

https://sansad.in/ls/search